हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

5

जबलपुर, रविवार 13 जुलाई 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

आशीष कुमार चौकसे को पीएचडी की उपाधि

मण्डला। आशीष कुमार चौकसे के द्वारा प्रतिष्ठित संस्थान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.आई.टी.), काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, बनारस से Traffic Noise Modeling of National Highways and Mid-Size Indian City Enviroscape including High-Rise Residential Buildings में शोध आधारित विशेषज्ञता उच्चतम शैक्षणिक उपाधि (पीएचडी) अर्जित की गई है। आशीष कुमार चौकसे न्याय विभाग में पदस्थ श्री नरेश कुमार चौकसे, उप प्रशासनिक अधिकारी के ज्येष्ठ पुत्र है जिनके द्वारा अपने शहर, परिवार, समाज का मान बढ़ाया है। सभी परिवारजन आशीष कुमार चौकसे के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित करते हैं।

सड़क हादसे में सुधा (ऋतु) अग्रवाल का आकस्मिक निधन, आज निकलेगी अंतिम यात्रा

मण्डला। शहर में एक अत्यंत दुखद घटना में राकेश (चिंटू) अग्रवाल (राजुल होंडा) की पत्नी श्रीमती सुधा (ऋतु) अग्रवाल का 11 जुलाई को एक सड़क दुर्घटना में अकस्मात निधन हो गया। अंतिम यात्रा दिनांक 13 जुलाई (रविवार) को प्रातः 10 बजे उनके निज निवास सराफा बाजार, बुधवारी से आरंभ होगी। सुधा (ऋतु) अग्रवाल सामाजिक रूप से सक्रिय एवं मिलनसार व्यक्तित्व की धनी थीं। उनके निधन से परिवार सहित समस्त व्यापारी एवं सामाजिक समुदाय में गहरा शोक व्याप्त है।

फायर ब्रिगेड से हो रही माननीयों के बंगले की सफाई

और लोगों के घरों में घुस रहा पानी

*** नपा प्रशासन का दोहरा मापदण्ड जाहिर।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

नगर में विकास की अपनी एक अलग परिभाषा रही है कागजों में तो विकास ने काफी महारथ हासिल की लेकिन विकास का खामियाजा नगर की जनता आज भी भुगत रही है फिर चाहे वह विकास नगर की नल-जल योजना के अंतर्गत नई पाइप लाईन डालने का हो या फिर नगर को महानगरों की श्रेणी में शामिल करने सीवरेज लाईन निर्माण कार्य का हो।

नई पाइप लाईन डाली गई तो पूरे नगर की सड़कों को खोद दिया गया यही हाल सीवरेज लाईन निर्माण के दौरान हो रहा है पाइप लाईन इस गुणवत्ता की डाली गई कि आज भी जहां-तहां से फूट रही है और इनकी मरम्मत के लिये पुनः सड़क खोदनी पड़ती है सीवरेज वालों ने तो अपनी मनमानी पूरे नगर में कर ही डाली है लिहाजा जब बारिश जमकर अपना असर दिखा रही है तो फिर लोगों के घरों में पानी का प्रवेश करना आम बात हो गई है।

प्रशासन इसे प्राकृतिक आपदा कहकर अपना पल्ला झाड़ लेता है लेकिन शायद ही लोगों के घरों में घुसते पानी को निकालने नगरपालिका प्रशासन के संसाधनों का उपयोग हुआ होगा या फिर ऐसी व्यवस्था तत्काल में फायरब्रिगेड के माध्यम से की गई हो कि लोगों के घरों में घुसे पानी को इनके माध्यम से तुरंत ही निकाला गया हो और नगरवासियों को इस मुसीबत से राहत पहुंचाई गई हो।

लेकिन जब माननीयों या प्रभावशाली लोगों की बात आती है तो फिर सभी संसाधन उनके लिये हाजिर रहते हैं यही कल हुआ जब एक शासकीय आवास की सफाई के लिये फायरब्रिगेड का पूरा अमला मय फायरब्रिगेड वाहन के लगा रहा पूरे बंगले की फायरब्रिगेड के माध्यम से पाइप लगाकर सफाई की गई लोगों ने जब दृश्य देखा तो प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक था लोग कहने लगे कि बंगलों की सफाई के ही क्या फायरब्रिगेड की उपलब्धता रह गई है और यदि ऐसा हैं तो यह किसके आदेशों पर किया गया क्या कहीं ऐसा प्रावधान है कि शासकीय बंगलों की सफाई के लिये भी फायरब्रिगेड का उपयोग किया जा सकता है। नियम है अथवा नहीं प्रावधान या फिर नहीं यह दूसरा विषय हो सकता है लेकिन लोगो ने जो सामने देखा तो उनका आक्रोशित होना स्वाभाविक था क्योंकि हाल ही में जिस तरह से बारिश में सड़क का पानी, नाली का पानी लोगों के घरों में घुस रहा है उससे गृहस्थी का सामान तो खराब हो ही रहा है घर में रहने वाले बच्चों, बुजुर्गो के लिये बड़ी मुसीबत बनता जा रहा है।

घरों में जो पानी घुस रहा है उसके पीछे दो मुख्य कारण है पहला नाली एवं नालों की विधिवत सफाई न होना और दूसरा कारण नालों पर होता अतिक्रमण। इन दोनों कारणों के पीछे नगरपालिका की लापरवाही एक बड़ी वजह है जिससे लोगों में फायरब्रिगेड का इस तरह का उपयोग होता देख नाराजगी स्पष्ट रूप से नजर आई।

बंगले की सफाई के लिये फायरब्रिगेड के उपयोग का कोई आदेश नहीं दिया गया बल्कि वहां पीडब्ल्यूडी काम चल रहा था इसलिये फायरब्रिगेड वहां गई थी।

मुख्यनगरपालिका अधिकारी

बेलघाट आश्रम में मनाई गई गुरूपूर्णिमा

पूरे श्रावण माह होगा रूद्राभिषेक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

बेलघाट आश्रम खैरीमाल में गुरूपूर्णिमा के अवसर पर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये गये। सुबह जहां भगवान भोलेनाथ का रूद्राभिषेक किया गया तो वहां माँ नर्मदा का भी पूजन एवं आरती की गई तत्पश्चात इस आश्रम के संचालक भारतीदास जी महाराज का उनके शिष्यों एवं अनुयायियों ने पूजन किया उनके पैर धोये, तिलक वंदन किया आरती उतारी और फिर उनका आर्शीवाद प्राप्त किया। तत्पश्चात कन्याओं का पूजन कर कन्या भोजन का सिलसिला प्रारंभ हुआ और फिर कन्या भोजन के उपरांत भण्डारे का प्रसाद सभी ने ग्रहण किया।

खैरीमाल स्थित बेलघाट आश्रम में पूरे श्रावण माह रोजाना भगवान भोलेनाथ का रूद्राभिषेक किया जायेगा विद्वान पुरोहितो एवं शास्त्रियों के द्वारा रूद्राभिषेक संपन्न कराया जा रहा है यह कार्यक्रम श्रावण मास के बाद 15 दिन तक और जारी रहेगा यानि कुल 45 दिन तक यह कार्यक्रम रोजाना होगा रूद्राभिषेक में शामिल होने कोई भी श्रद्धालु यहां आ सकता है और रूद्राभिषेक कर सकता है लेकिन इसके लिये उसे सुबह 9 बजे तक आश्रम में उपस्थित होना होगा परिधान भी भारतीय परम्परा के अनुसार धारण करने होंगे कहने का कि पुरूष वर्ग धोती पहनकर एवं महिलायें साड़ी पहनकर ही रूद्राभिषेक में शामिल हो सकती है इसके अलावा आपको किसी और वस्तु को लाने की आवश्यकता नहीं है वह सभी आश्रम के द्वारा उपलब्ध कराई जा रही है।

बिंझिया ग्राम पंचायत की गली नंबर 2 की सड़क बदहाल, ग्रामीणों में आक्रोश

मण्डला। शहर से सटी ग्राम पंचायत बिंझिया के ग्राम पंचायत भवन के सामने स्थित गली नंबर 2 की सड़क बदहाली की स्थिति में है। सड़क के जगह-जगह चिथड़े उखड़ गए हैं, जिससे मोहल्ले के लोगों को खासकर स्कूल जाने वाले बच्चों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि उन्होंने कई बार ग्राम पंचायत से सड़क की मरम्मत की मांग की है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। इससे लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। बरसात के मौसम में यह सड़क कीचड़ और गड्ढों से भर जाती है, जिससे पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। मोहल्ले वासियों की जन अपेक्षा है कि ग्राम पंचायत इस समस्या पर शीघ्र ध्यान दे और गली नंबर 2 की सड़क की मरम्मत कार्य को प्राथमिकता के आधार पर जल्द शुरू करवाया जाए।

फोटोग्राफी-वीडियोग्राफी के उभरते आयामों पर मंडला में वर्कशॉप आयोजित

*** 70 से अधिक फोटोग्राफरों ने लिया भाग, नई तकनीकों की मिली जानकारी।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

मंडला फोटोग्राफर एसोशिएशन के तत्वाधान में स्थानीय स्तर पर एक दिवसीय फोटो/वीडियोग्राफी वर्कशॉप का सफल आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप में जिले भर से आए लगभग 70 फोटोग्राफरों ने भाग लेकर आधुनिक तकनीकों की जानकारी प्राप्त की।

वर्कशॉप में विशेष रूप से आमंत्रित प्रशिक्षक एस.पी. सिंह (अंश स्टूडियो, दिल्ली) एवं सन्नी सर (डॉट मेट्स स्टूडियो) ने प्रतिभागियों को फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी की आधुनिक विधियों से अवगत कराया। उन्होंने AI आधारित ऑटोमैटिक एल्बम डिजाइनिंग और वीडियो मिक्सिंग सॉफ्टवेयर के प्रयोग से मिनटों में बेहतर गुणवत्ता वाला काम कैसे किया जा सकता है, इस पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया।

प्रशिक्षक एस.पी. सिंह ने फोटोग्राफरों को कार्यक्षमता बढ़ाने, कस्टमर सर्विस सुधारने, फास्ट एवं स्मार्ट वर्किंग तथा सोशल मीडिया के प्रोफेशनल उपयोग को लेकर प्रेरित किया।

कार्यक्रम के आयोजन में नरसिंहपुर से आए रमेश नेमा (नेहा फोटो स्टूडियो) ने विशेष भूमिका निभाई। वर्कशॉप के दौरान मंडला फोटोग्राफर एसोशिएशन के करीब 20 सदस्यों ने AI एल्बम डिजाइन सॉफ्टवेयर को समझा और किफायती दरों पर खरीदा भी।

एसोशिएशन की ओर से सभी प्रतिभागियों के लिए चाय एवं भोजन की व्यवस्था की गई। अंत में एसोशिएशन के अध्यक्ष दीपक जाट ने प्रशिक्षकों सहित सभी फोटोग्राफरों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इस तरह के आयोजन नियमित रूप से करते रहने की बात कही।

पॉपुलेशन डे पर इनर व्हील क्लब ने ब्राइट फ्यूचर स्कूल में कराई ड्राइंग प्रतियोगिता

*** बच्चों को अंगदान व गुड टच-बैड टच के प्रति किया जागरूक।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

पॉपुलेशन डे के अवसर पर इनर व्हील क्लब मंडला द्वारा पड़ाव स्थित ब्राइट फ्यूचर स्कूल में विविध जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान बच्चों के बीच ड्राइंग प्रतियोगिता कराई गई, जिसमें प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित कर प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम के दौरान एक छात्र का जन्मदिन भी हर्षोल्लास से मनाया गया। इस विशेष आयोजन में बच्चों के साथ-साथ स्कूल स्टाफ व इनर व्हील क्लब की सदस्याओं ने अंगदान के प्रति जनजागरूकता फैलाने हेतु रैली का आयोजन किया। क्लब की आईएसओ प्रिया पमनानी ने बच्चों को 'गुड टच' और 'बैड टच' की जानकारी देते हुए उन्हें आत्म-सुरक्षा के प्रति सजग रहने की सीख दी। इस अवसर पर क्लब की अध्यक्ष श्रद्धा तपा, सचिव सुनीता पमनानी, प्रिया पमनानी, रुबी तपा, आरती ब्रजपुरिया, रिया तपा, किरण पमनानी व अनीता चंद्रोल विशेष रूप से उपस्थित रहीं। सभी ने बच्चों को जागरूक और प्रेरित करने के उद्देश्य से सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम के अंत में स्कूल प्रबंधन द्वारा इनर व्हील क्लब के कार्यों की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया गया।

ओशो ध्यान शिविर में बोले स्वामी गुरु शिष्य के जीवन में एक महत्वपूर्ण बदलाव लाते हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

कटरा स्थित ओशो ध्यान केन्द्र में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर ओशो के अनुयायी ने ध्यान व गुरूपूर्णिमा कार्यक्रम का आयोजन किया। तीन दिवसीय इस आयोजन में ध्यान, प्रवचन, और उत्सव रहा। वहीं गुरूपूर्णिमा के दिन ओशो के अनुयायी उनके प्रति अपनी श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त करते रहे और उनके द्वारा बताए गए ध्यान के तरीकों का अभ्यास करते दिखे गए। ध्यान, भजन और गुरु के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। इस अवसर स्वामी ध्यान भारती जी ने कहा कि ओशो का मानना है कि गुरु शिष्य के जीवन में एक महत्वपूर्ण बदलाव लाते हैं और उन्हें अपनी चेतना में गहरा संबंध स्थापित करने में मदद करते हैं। गुरु पूर्णिमा, गुरु-शिष्य संबंधों का उत्सव है, जहां शिष्य अपने गुरु के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं ओशो के अनुसार गुरु ज्ञान नहीं, बल्कि चेतना देते हैं गुरु एक बीज की तरह हैं जो शिष्य को अंकुरित होने पनपने और खिलने में मदद करता है गुरु पूर्णिमा शिष्य के लिए अपने गुरु के प्रति प्रेम और भक्ति व्यक्त करने का दिन है। वही मॉ भट्टी भारती जी ने कहा कि ओशो के ध्यान और विचार आत्म-निरीक्षणऔर आत्म-अवलोकन को प्रोत्साहित करते हैं जिससे व्यक्ति अपने विचारों, भावनाओं और व्यवहारों को बेहतर ढंग से समझ पाता है ओशो के सक्रिय ध्यान जैसे कि गतिशील ध्यान, शारीरिक गतिविधि और भावनात्मक मुक्ति प्रदान करते हैं, जिससे तनाव और तनाव कम होता है। ओशो के ध्यान, विशेष रूप से गतिशील ध्यान, ऊर्जा के प्रवाह को उत्तेजित करते हैं, जिससे व्यक्ति अधिक ऊर्जावान और जीवंत महसूस करता है। इस अवसर पत्रकार परिषद के द्वारा स्वामी ध्यान भारती जी का पुष्पमाला से स्वागत करते हुए छतरी भेंट की इस दौरान पत्रकार परिषद जिला अध्यक्ष नीरज अग्रवाल, समाज कल्याण प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष कैलाश डेहरिया, वरिष्ठ समाजसेवी सुधीर कांसकार, दीपक कछवाहा, किशोर रजक, अनमोल अग्रवाल, रोहित बघेल, अनिल मिश्रा, आकाश रघुवंशी, श्रीमति सुनीता सैयाम, श्रीमति दीप्ती नरेलिया, श्रीमति उमा यादव, श्रीमति शीतल वैष्णव, आनंद, वेदांत, प्रेम, डॉ राय, उत्सव सहित दूर दराज व अन्य शहरों से आए ओशो प्रेमी मौजूद रहे।

कार्यवाही | **झोलाछाप डॉक्टरों के विरूद्ध चल रही कार्यवाही।**

बीजाडांडी में चार अवैध क्लीनिक सील

*** सीएमएचओ के माध्यम से हो रही कार्यवाही।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी मंडला डॉ. डी.जे. मोहन्ती ने जानकारी दी कि कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग मंडला द्वारा जिले में नियम विरूद्ध अपनी विधि के विपरीत जाकर ऐलोपैथी विधि से क्लीनिक का संचालन करने वाले झोलाछाप डॉक्टरों के विरूद्ध विभाग द्वारा लगातार कार्यवाही चल रही हैं। नारायणगंज और मवई विकासखण्ड के औचक निरीक्षण एवं कार्यवाही उपरांत बीजाडांडी एवं उसके आसपास के क्षेत्रों में औचक निरीक्षण जिला स्तरीय दल, विकासखण्ड स्तरीय दल, राजस्व विभाग एवं पुलिस विभाग के द्वारा संयुक्त रूप से 8 क्लीनिक का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में चार क्लीनिक नियम विरूद्ध तरीके से संचालित पाए गए, उन्हें तत्काल सील कर आगे की आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। अन्य चार को चेतावनी दी गई कि वे शासन के नियमानुसार ही क्लीनिक का संचालन करें।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा यह भी बताया गया कि क्लीनिक के संचालन हेतु शासन द्वारा दिए गए दिशा निर्देश अनुसार ही संचालित होनी चाहिए। जिनमें प्रमुख रूप से चिकित्सक के रूप में वैध पंजीयन हो, क्लीनिक चलाने की अनुमति जिला स्तर से प्राप्त हो साथ क्लीनिक में अपनी विधि अनुसार ही इलाज एवं दवाईयां रखें। शासन के दिशा निर्देश के अनुसार ही जिले में क्लीनिक संचालित हो। इसके लिए यह औचक निरीक्षण अभियान लगातार जिला स्तरीय दल, विकासखण्ड स्तरीय दल, राजस्व विभाग एवं पुलिस विभाग के द्वारा जारी रहेगा। स्वास्थ्य विभाग इसके लिए सक्रिय रहेगा तथा नियम विरूद्ध क्लीनिक संचालन करते पाए जाने पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही संबंधित के विरूद्ध की जावेगी। जिले में किसी भी झोलाछाप जो खुद को चिकित्सक मानकर क्लीनिक चला रहे हैं, उन्हें बख्शा नहीं जायेगा।

सीएमएचओ डॉ. डी.जे. मोहन्ती ने बताया कि वर्षा ऋतु में सर्दी जुकाम, उल्टी-दस्त, सांप के काटने एवं जानवरों द्वारा काटे जाने के प्रकरण ज्यादा आते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग का पर्याप्त स्टॉफ है, जिसमें सीएचओ, ए.एन.एम. एवं आशा कार्यकर्ता, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में डॉक्टर पदस्थ है। प्रायः मरीज इन झोलाछाप डॉक्टरों के चंगुल में फँसकर गंभीर अवस्था में शासकीय अस्पताल आते हैं एवं कई बार उनकी जान चली जाती है। उसे ही ध्यान में रखकर औचक निरीक्षण किया जा रहा है।

सीएमएचओ डॉ. मोहन्ती ने जिले भर में क्लीनिक संचालित कर रहे समस्त डॉक्टरों से अपील की है, कि वे अपने विधि अनुसार ही चिकित्सा सेवाएं दें एवं पंजीयन, क्लीनिक संचालन हेतु जिले से अनुमति अवश्य लें। अन्यथा उनके विरूद्ध औचक निरीक्षण कर सख्त कार्यवाही की जावेगी। साथ ही आमजनों से भी अनुरोध किया है, कि वे नजदीकी स्वास्थ्य संस्थाओं में निःशुल्क इलाज करा सकते हैं या पंजीकृत योग्य चिकित्सकों से जिनकी वैधता हो, उनसे ही इलाज कराएं एवं सुरक्षित रहें।

खेती बाड़ी के कार्यों सहित अन्य जरूरतें पूरी करने के लिये साहूकारों से ब्याज पर पैसा लेने की बन रही मजबूरी, कृषकों के बीच एक ही सवाल ...

शासन के मूंग खरीदी केन्द्रों का शुभारंभ न होने से कर्जदार बन रहे अन्नादाता किसान

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका।

हर किसान द्वारा जिस प्रकार से अपनी फसल में अनेक प्रकार की लागत लगाते हुये उसे तैयार कर लेता है तो उसे इस बात की तत्परता रहती है कि वह अपनी फसल को शीघ्रता के साथ विक्रय करते हुये उसमें लोगों से कर्ज लेकर लगाई हुई लागत को चुकाते हुये कर्ज से मुक्त हो जावे। क्योंकि किसानों को अपनी फसले तैयार करने के लिये काफी लागत लगानी पड़ती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय क्षेत्र के मूंग उत्पादक किसानों की देखी जा रही है। क्योंकि क्षेत्र के किसानों की गर्मी सीजन की मूंग तैयार होकर अपने घरों में रखी हुई है। मगर शासन द्वारा निर्धारित किये गये मूंग खरीदी केन्द्रों का खरीद करने की निर्धारित तिथि निकल जाने के बाद भी शुभारंभ नही किया गया है जिसके चलते जहां क्षेत्र के किसान अपने घरों में रखी हुई मूंग की सुरक्षा को लेकर परेशान होते हुये देखे जा रहे है या फिर ओने पोने दामों में बेचने के लिये मजबूर हो रहे है। क्योंकि क्षेत्र के किसानों ने अपनी मूंग फसल को तैयार करने तथा कीटों से बचाव को लेकर जहां कर्ज लेकर महंगी महंगी कीटनाशक दबाईयाँ खरीदी गई थी। मगर मूंग का समय पर विक्रय नही होने के चलते उन्हें दुकानदारों से लेकर साहूकार लगातार परेशान करते हुये देखे जा रहे है और मनमाना ब्याज जड़ने में कोई कसर नही छोड़ रहे है..? वही दूसरी ओर अब नई फसल लगाने के लिये भी अन्नदाता के सामने लागत लगाने के लिये पैसा नही है। क्योंकि यह सीजन बोनी के लिये प्रमुख माना जाता है जिसमें धान की रोपाई से लेकर सोयाबीन या फिर अन्य फसलों की बोनी होती है। इसी के चलते अपने खेतों में अन्य फसलों की बुबाई के लिये भी लगातार साहूकारों से ब्याज पर कर्ज लेने के लिये मजबूर होते हुये दिखाई देने से नही चूक रहे है। इस सच्चाई के चलते यदि देखा जावे तो किसानों द्वारा रात दिन एक करते हुये पैदा की गई मूंग फसल की खरीद के लिये शासन प्रशासन द्वारा बरती जा रही देरी के चलते जहां मजबूर किसान यदि अपनी मूंग फसल को किसी व्यापारी के यहां बेचने का प्रयास करते है तो वह उसे ओने पोने दामों में खरीदकर किसानों की मजबूरी का फायदा उठाने से नही चूक रहा है...? इस स्थिति के चलते अब किसान अपनी अन्य फसलों की तैयारियों को लेकर घर बैठे हुये लगातार कर्जदार बनने से नही चूक रहा है। वही दूसरी ओर पहले मूंग फसल को तैयार करने में लगाई गई लागत को लिये गये कर्ज को समय से नही पटाने के कारण उसके ब्याज में भी बढ़ोत्तरी होते हुये देखी जा रही है? इस सच्चाई के चलते क्षेत्र के किसानों का कहना है कि भले ही उनकी फसल तैयार होकर घर में रखी हुई है। मगर यदि वह अपनी तैयार होकर रखी हुई मूंग फसल को बाजार में व्यापारियों के पास बेचता है तो वह ओने पोने दामों पर मांग रहे है जिसके चलते जहां फसल को तैयार करने में किसानों द्वारा लगाई गई लागत भी खड़ी नही हो पा रही है। इस स्थिति में क्षेत्र का अन्नदाता इस समय बड़ी परेशानियों में फंस चुका है। क्योंकि जहां किसानों को अपने खेतों में बोनी करने सहित खाद बीज खरीदने के लिये पैसों की जरूरत पड़ रही है। वही दूसरी किसान अपने खेतों में नई फसल लगाने से लेकर बारिश के दिनों में बच्चों का पेट भरने के लिये अनाज सहित जरूरी समान खरीदने के लिये परेशान होते हुये देखा जा रहा है। क्षेत्र के किसानों ने तपती हुई तेज धूप के बीच अपने खेतों में रात दिन एक करते हुये तैयार की गई मूंग फसल को लेकर जो सपना सजोया गया था वह धूमिल होने से नही चूक पा रहा है। क्योंकि पहले शासन द्वारा मूंग खरीदी के लिये कोई योजना नही बनाये जाने के चलते अनेक किसान अपनी मूंग को खुले बाजारों में ओने पोने दामों में विक्रय कर चुका है जिसमें उनकी लागत तक खडी नही हो पाई है। इसके बाद जब खरीदने की घोषणा की गई तो खरीदी के कार्य में देरी की जा रही है। जिसके चलते किसान परेशान होते हुये देखे जा रहे है। क्षेत्र के किसानों की उम्मीद थी कि वह समय पर मूंग फसल का विक्रय करते हुये जहां लोगों से फसल तैयार करने के लिये उठाया गया कर्ज अदा कर देगे और बसकारे के सभी प्रबंध कर लेगे। मगर शासन द्वारा मूंग खरीदी का कार्य शुरू नही किये जाने के कारण खरीदी केन्द्रो पर ताले लटक रहे है। वही दूसरी ओर किसान अपने घरों में बैठे हुये कर्जदार करने के साथ साथ नई फसल की बोनी करने को लेकर परेशान होते हुये देखा जा रहा है। इस प्रकार से किसानों के घरों में तैयार हो रखी हुई गर्मी में पैदा होने वाली मंग की शासन द्वारा अभी तक खरीद शुरू नही किये जाने की सच्चाई को लेकर जब क्षेत्र के किसानों से चर्चा की गई तो ग्राम सहावन निवासी भगवानदास वर्मा का कहना है कि निश्चित ही किसान जब अपने खेतों में कोई फसल तैयार करता है तो उसका विक्रय करते हुये अपनी अनेक जरूरत पूर्ण करने की सोच रखता है। यदि समय पर उस फसल का विक्रय न हो पावे तो किसान परेशानियों से घिरने से नही चूकता है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय क्षेत्र के किसानों की भी देखने मिल रही है जिसके चलते उनके घरों में गर्मी की मूंग फसल तैयार होकर तो रखी हुई है। मगर विक्रय नही होने के कारण वह अपनी जरूरतों के लिये साहूकारों से कर्ज लेने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है। वही ग्राम

केसला निवासी कृषक ब्रज मोहन शर्मा का कहना है कि लगता है कि किसानों का अब भगवान ही मालिक है। क्योंकि इस समय भले ही किसानों द्वारा की गई मेहनत से मूंग की पैदावार संतोष जनक हो गई है। मगर जब किसानों को पैसों की जरूरत है उस समय उसकी शासन द्वारा खरीद शुरू नही किये जाने के कारण किसान अपनी मूंग को घरों में रखे हुये उसे निहार रहा है और आने वाली नई फसलों की व्यवस्था बनाने के लिये जब किसानों के पास पैसा ही नही रहेगा तो उसे मजबूरी बस अपनी जरूरते पूर्ण करने के लिये ब्याज से पैसा लेना पड़ेगे जिसके चलते कर्जदार बनने से नही चूक पायेगा। इस प्रकार से सालीचौका निवासी देवेन्द्र वर्मा का कहना है कि जिस प्रकार से किसान मुश्बितों के बीच घिरा हुआ है वह खत्म होने का नाम नही ले रही है। क्योंकि किसान बीते हुये कुछ वर्षो से प्रकृति की मार झेल रहे थें। मगर किसानों को भले ही इस वर्ष प्रकृति ने साथ देते हुये मूंग फसल ने चेहरों पर मुस्कान ला दी गई थी। मगर अब शासन की नीति के चलते समय पर मूंग खरीदी का शुभारंभ नही होने से फिर किसान को परेशान होते हुये कर्जदार बनने के लिये मजबूर कर दिया गया है। इसी प्रकार से राजकुमार वर्मा का कहना है इस समय क्षेत्र के किसानों की मूंग फसल तैयार होकर अपने घरों में रखी हुई है। मगर शासन द्वारा निर्धारित की गई तिथि निकल जाने के बाद भी मूंग फसल की खरीदी शुरू नही किये जाने से किसानों को परेशान करने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है। क्योंकि किसानों को अपनी फसल के आधार पर ही संपूर्ण व्यवस्थाये बनाई जाती है। यदि समय पर फसल नही बिकती है तो किसानों की सभी व्यवस्थाये गड़बड़ होने से नही चूकती है। वही दूसरी ओर सरकार द्वारा किसानों का हम दर्द बनते हुये मूंग फसल खरीदने की भरोसा तो दिला दिया गया है। मगर खरीदी में की जा रही देरी से यह जान पड़ने से नही चूक रहा है कि शायद सरकार व्यापारियों को फायदा पहुंचाने की सोच के चलते देरी की जा रही है। क्योंकि सरकार में बैठे हुये लोग यह अच्छे से जानते है कि किसान अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिये बाजार में बेच देगा और चंद किसानों की मूंग शासन द्वारा खरीदी करने की औपचारिकता निभाई जावेगी।

नहीं हो रहा है जिला कलेक्टर के मत्स्याखेट आदेश का पालन, श्रावण माह में जहां खुलेआम मांसाहार के विक्रय से भावनाओं को पहुंच रही ठेंस

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

भले ही नगर पालिका द्वारा मांस मछली विक्रय करने के लिये जगह निर्धारित की गई है। मगर इसके बाद भी लोगों द्वारा नगर में जहां तहां खुलेआम मांस मछली का विक्रय करते हुये देखा जा रहा है जिसके चलते नगर का वातावरण तो प्रदूषित हो ही रहा है साथ ही साथ लोगों की धार्मिक भावनाओं को भी ठेंस पहुंचने से नही चूक रही है? इस प्रकार से मांस मछली विक्रय करने वालो की मनमानी पर अंकुश न लग पाना नपा प्रशासन की उदासीन कार्य प्रणाली सहित पुलिस प्रशासन की उदासीनता को भी उजागार करने से नही चूक रहा है? तो दूसरी ओर जिला कलेक्टर के मत्स्याखेट प्रतिबंध आदेश का पालन होते हुये दिखाई नही पड़ रहा है। जबकि सच्चाई पर गौर किया जावे तो बीते हुये 15 जून को जिला कलेक्टर द्वारा आदेश जारी करते हुये 16 जून से 15 अगस्त तक के लिये मत्स्याखेट पर पूर्णरूप से प्रतिबंध लगाया गया है जारी आदेश में उल्लेख किया गया है कि 16 जून से 15 अगस्त 2025 तक मत्स्याखेट प्रतिबंधित रहेगा। क्योंकि इस अवधि में जलाशय तालाब, नदी व नालों में प्रतिबंधित करते हुये मत्सय प्रजनन होने से प्रतिबंध लगाया गया है। मगर इसका पालन होते कही दिखाई नही दे रहा है और बाजारों में खुलेआम मछली विक्रय होते हुये देखी जा रही है। इस प्रकार से नगर में धडल्ले से जहां तहां हो रहे मांस मछली के विक्रय से नगर में गंदगी फैलने के साथ साथ चल रहे सावन मास के दौरान लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेंस पहुंचने से भी नही चूक रही है? क्योंकि चल रहा सावन माह धार्मिक आयोजनों के लिये प्रमुख माना जाता है। इस दौरान जब लोग मंदिर या फिर किसी धार्मिक स्थल पर पूजन के लिये पहुंचते है और यह दृश्य दिखाई देने से उनकी भावनाओं को ठेंस पहुंचने से नही चूकती है। क्योंकि इस प्रकार से मांस मछली सहित अंडे का व्यापार करने वाले लोगों द्वारा तो नगर के मंदिरों का ध्यान रखा जा रहा है और नही शिक्षण संस्थाओं का जिसके चलते लोगों में इस प्रकार से खुलेआम बिक रहे मांस मछली के विक्रय को लेकर आक्रोश देखने मिल रहा है? इस प्रकार से धडल्ले से विक्रय होने वाले मांस मछली की सच्चाई इस समय नगर में अनेक स्थानों पर देखने मिल रही है। बताया जाता है कि पानी टंकी के पास जहां नगर का एक मात्र गायत्री मंदिर स्थित है। वही हनुमान मंदिर के साथ साथ शिक्षण संस्था भी स्थापित है। मगर इसके बाद भी यहां पर प्रतिदिन शाम के वक्त जहां खुलेआम मांसाहारी सामग्री विक्रय होते हुये देखी जा रही है। इस स्थिति में जब कोई व्यक्ति मंदिर जाता है तो उसे सबसे पहले इस प्रकार से विक्रय होने वाली मांस व मछली पर नजर पड़ते हुये उसकी धार्मिक भावना को ठेस पहुंच रही है। इस प्रकार खुलेआम विक्रय होने वाले मांस व मछली के चलते घृडा का शिकार होते हुये देखा जाता है। कुछ इसी प्रकार का हाल नगर के पलोटन गंज जाने वाले मार्ग पर देखी जा रही है जहां हनुमान मंदिर व आचार्य मंदिर से चंद कदम दूरी पर खुलेआम बिरयानी विक्रय का वोर्ड अपनी शोभा बढ़ाने से नही चूक रहा है। यही हाल नगर के अन्य स्थानों पर भी देखने मिल रहा है? इस प्रकार से निर्धारित स्थल के जगह नगर के प्रमुख व धार्मिक स्थलों के आस पास होने वाले मांस, मछली व अन्य प्रकार की मांसाहारी सामग्री विक्रय को लेकर न तो प्रशासन द्वारा कोई कदम उठाया जा रहा है और न ही नपा प्रशासन द्वारा जिसके चलते नगर में खुलेआम गंदगी का महौल निर्मित होने से नही चूक पा रहा है। इस प्रकार से नगर की गलियों व धार्मिक स्थलों के आसपास होने वाले मांस मछली विक्रय पर अंकुश लगाने की मांग की जा रही है।

राष्ट्रीय राज्य मार्ग किनारे लगी डीपी में नीचे तक लटक रही विद्युत वायर, किसी दिन घटित हो सकती है कोई बड़ी घटना

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

अक्सर देखा जाता है कि जब कोई बड़ी घटना घटित हो जाती है जिसमें आम लोगों जिन्दगी सहित अन्य क्षति होने के बाद शासन प्रशासन की आंखे खुलते हुये पीड़ितो मदद के लिये भरोसा दिलाने की बात कहने से नही चूका जाता है। मगर समय रहते उस घटना को टालने की ओर न अधिकारियों द्वारा ध्यान दिया जाता है और न ही क्षेत्र के उन नेताओं द्वारा जो घटनाएं घटित होने के बाद मंचों के माध्यम से दुख प्रकट करने का नाटक करते हुये पीडित के प्रति हम दर्दी जताने से नही चूकते है? यदि समय रहते हुये रहते इस प्रकार की सच्चाईयों पर ध्यान दे दिया जावे तो निश्चित घटनाएं ही घटित होने से रोकी जा सकती है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय समीपस्थ ग्राम कामती के उस प्रमुख स्थल पर देखने मिल रही है जहां पर लगे हुये विद्युत ट्रासफार्मर में करेन्ट दौड़ते हुये तार जमीन तक लटके हुये देखे जा रहा है। जबकि सच्चाई पर गौर किया जावे तो यह विद्युत ट्रांसफार्मर राष्ट्रीय स्तर के माने जाने वाले गाडरवारा पिपरिया मार्ग के ठीक समीप गांव में लगा हुआ है। इतना ही नही यही पर अनेक दुकाने लगी होने के कारण छोटे बच्चों से लेकर बडे बूढों का भी इसी ट्रांसफार्मर के पास से निकलना होता रहता है। वही दूसरी ओर यहां पर दिन भर मूक पशुओं को भी घूमते हुये देखा जाता है, जिसके चलते इस प्रकार से बिजली दौड़ते हुये खुली स्थिति में लटकते हुये इन तारों को देखते हुये इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित होने से रोका जा सके? जबकि इस प्रकार से मुख्य मार्ग के किनारे लगे हुये इस ट्रांसफार्मर की सच्चाई को बिजली विभाग के छोटे से लेकर बडे अधिकारियों को अनेकों बार इसे देखते हुये इस मार्ग से निकलना होता रहता है। वही दूसरी ओर क्षेत्र के जिम्मेदार नेता भी दिन में अनेकोंबार इस सच्चाई को देखते हुये आसानी से निकल जाते है। मगर इसमें सुधार के प्रति शायद आज तक किसी के द्वारा आवाज उठाई गई हो जिससे कोई बड़ी घटना घटित होने के पहले ही उसे रोका जा सके?

भटेरा में संगीतमय शिव महापुराण सप्ताह ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ 17 जुलाई से, आज से रूद्री निर्माण व महाअभिषेक

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। श्रावण माह का शुभारंभ होते ही क्षेत्र में धार्मिक आयोजनों की शुरूआत होते हुये दिखाई देने से संपूर्ण महौल धर्ममय होते हुये देखने मिल रहा है। इसी प्रकार से समीपस्थ ग्राम पंचायत भटेरा के वरहाल माता मंदिर परिसर में संगीतमय शिव महापुराण ज्ञान यज्ञ एवं 13 दिवसीय रुद्री निर्माण रुद्राभिषेक का आयोजन 17 जुलाई से 23 जुलाई तक माता मंदिर समिति तथा दद्दा जी शिष्य मंडल द्वारा किया जा रहा है । इस आयोजन के चलते आज 13 जुलाई को सुबह 8 बजे से 1 बजे तक रुद्री निर्माण रुद्राभिषेक प्रारंभ हो जाएगा जो 23 जुलाई तक प्रतिदिन चलेगा । वही शिव महापुरण के लिये भव्य कलश यात्रा 17 जुलाई को मंदिर परिसर से निकलेगी जो ग्राम के मुख्य मार्गो से कथा स्थल पहुचेगी। वही बताया जाता है कि इसके पश्चात शिव महा पुराण कथा प्रारंभ होगी जो प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक 23 जुलाई तक चलेगी । कथा समापन के बाद 24 जुलाई को हवन पूजन पूर्ण आहुति व कन्याभोज भंडारे का आयोजन किया जावेगा। इस आयोजन में मुख्य कथा वाचक के रूप में श्रीधाम वृंदावन धाम से पधार रहे पंडित राजकुमार शास्त्री द्वारा शिवजी की कथा का वर्णन सुनाया जावेगा। इस तरह धार्मिक आयोजन के लिये प्रमुख माने जाने वाले सावन माह के चलते ग्राम भटेरा में होने जा रहे 13 दिवसीय विशाल संगीतमय शिव महापुराण सप्ताह ज्ञान यज्ञ एवं रुद्री निर्माण रुद्राभिषेक के आयोजन को लेकर भव्य तैयारियां की जा रही है।

जर्जर हो चुकी सहकारी दुकान में रखा गरीबों का अनाज

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

ईश्वर की मेहरवानी से शहर की सहकारी दुकानों से शहर के नीले व पीले राशन कार्ड धारियों को हर माह सस्ता गेंहू, चांवल, कैरोसिन, नमक के वितरण के संबंध में भले ही कोई शिकायत सुनने में नही आती है। किन्तु नगर के कुछ वार्डो में जो सहकारी दुकानों खुली हुई है उनकी दुर्दशा को लेकर हवा में लगातार यह सबाल उछलते रहे है कि इस प्रकार खस्ता हाल दुकानों में क्या गरीबो का अनाज सुरक्षित रह पायेगा? बताया जाता है कि नगर के पुराने शासकीय चिकित्सालय के पास जो सहकारी दुकान संचालित हो रही है जो इस समय नपा के स्वामित्व में है और पहले वह नर्सेस क्वाटर हुआ करती थी। मगर बाद में उसकी सुध न लेने के बाद वह सहकारी राशन दुकान खोलने के लिए मार्केटिंग सोसाईटी को दे दी गई है, जिसके चलते वर्तमान में उक्त सहकारी राशन दुकान की स्थिति इस प्रकार से जर्जर हो चुकी है कि उसके अंदर जब कोई गरीब अनाज लेने के लिए पहुंचता है तो उसे अपनी जान के खतरा को लेकर चिंता में देखा जाता है। क्योंकि इस दुकान के अंदर की दीवारे, दरबाजे टूट रहे है। वही हालत यह हे कि इस दुकान का मेन गेट पूर्णरूप से असुरक्षित हो गया है, जिसके एक कोने में बड़ा टायर लगाकर उसमें रखे हुए गरीबों के अनाज की सुरक्षा की जा रही है, इस स्थिति में देखा जा रहा है कि जहां गरीबों का अनाज तो पूर्णरूप से असुरक्षित दिखाई दे ही रहा है साथ ही साथ इस दुकान के अंदर अनाज लेने के लिए पहुंचने वाले गरीबों व दुकान का संचालन करने वालों की जान भी पूर्ण रूप से खतरे में दिखाई दे रही है, यदि समय रहते हुए ध्यान नही दिया गया तो निश्चित ही किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है?

मच्छरों की भरमार से फैलने लगी बीमारियाँ

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। भले ही मौसम विभाग द्वारा आये दिन बारिश होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। मगर बारिश शुरू नही होने से पूर्व की तरह मौसम विभाग की सूचना फैल होते हुये देखी जा रही है तो दूसेरी ओर इन दिनों उमस भरी गर्मी के तीखे तेवर दिखाने के दौरान भी शहर की सफाई व्यवस्था में सुधार नहीं हो पा रहा है, जिसका परिणाम है कि मच्छरो की पैदाईश में लगातार ईजाफा हो रहा है और मच्छरो की फौज मानव स्वास्थ्य पर हमला बोल रही है। शहर के चिकित्सकों की मानें तो शहर में मच्छरों की भरमार होने के कारण वैक्टीरिया पनपने से पीलिया, वायरल फीवर के मरीज बढ़ रहे है और इस वैक्टीरिया को और अधिक बढ़ानें में गंदगी फैलाने वाले आवारा सूकर, कूकर, जानवर योगदान दे रहे है। क्योंकि चल रहा जून माह जहां मच्छर जानित बीमारियो को फैलाने वाला महिना माना जाता है। वैसे भी देखा जावे तो आषाढ़ सावन माह को किरहा माह कहा जाता है। इस माह में कीडे मगोडो की भरमार रहती है। इस स्थिति में इन महिनों में साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने की जरूरत रहती है। इसलिये नगर पालिका प्रशासन को सभी वार्डो की नालियों में विशेष साफ सफाई अभियान चलाते हुये कीट नाशक दबाईयों का छिड़काव करना चाहिये। क्योकि बारिश व गर्मी के संगम के बीच के प्रचंड दिनो में ही अजीब तरह की बीमारियाँ फैलती है और शासकीय, निजी अस्पतालो की शरण में जाने वाले मरीजो का प्रतिशत बढ़ जाता है, जिसके चलते नगरवासियो ने नपा. एवं स्वास्थ्य विभाग से कीटनाशकों का छिड़काव करा और फागिंग मशीन चलवाकर कई तरह की बीमारियो के जनक मच्छरो के विनाश की गुहार लगायी है।

नाम परिवर्तन सूचना

सतीश कौरव आ. श्री रामसेवक कौरव उम्र 42 वर्ष निवासी ग्राम बरेली (बरहेटा) तह. गाडरवारा व जिला नरसिंहपुर म. प्र. द्वारा शपथ पत्र प्रस्तुत करते हुये बताया है कि मैं उपरोक्त पते की स्थाई निवासी हूँ यह है कि मुझ शपथकर्ता का नाम सतीश कौरव मेरे आधार कार्ड, पेन कार्ड में दर्ज है तथा मेरी अंकसूची में मेरा नाम सतीश सिंह कौरव दर्ज है। जबकि शपथकर्ता सतीश कौरव एवं सतीश सिंह कौरव दोनो नाम का मैं एक ही व्यक्ति हूँ अन्य कोई अलग अलग व्यक्ति नही है। उक्त दोनों नाम से मुझ शपथकर्ता को जाना व पहचाना जाता है। मुझ शपथकर्ता को अब सतीश कौरव आ. श्री रामसेवक कौरव के नाम से पढ़ा व लिखा जावे।

शपथकर्ता
सतीश कौरव आ. श्री रामसेवक कौरव
उम्र 42 वर्ष ग्राम बरेली (बरहेटा)
तह. गाडरवारा, जिला नरसिंहपुर (म. प्र.)

सीतारेवा नदी के किनार हर वर्ष किसानों को निगल रही नदी, बीते हुये पांच वर्षों में कई एकड़ जमीन नदी के अंदर समा चुकी

हरिभूमि न्यूज/चीचली। इस समय देखा जावे तो जहां क्षेत्र के किसान प्रकृति की मार से लगातार जूझते हुये अपनी जिन्दगी की गाडी को खीचते चले जा रहे है। मगर चीचली क्षेत्र के अनेक गांवों के किसानों की जमीन सीतारेवा नदी के किनारे होने के कारण जहां नदी में बाढ़ आने की स्थिति में उनकी फसल असुरक्षित हो रही है तो दूसरी ओर लगातार उनकी जमीन नदी में समाहित होने से गायब होती चली जा रही है। यदि बीते हुये पांच वर्षो की सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस नदी के किनारे लगे हुये अनेक किसानों की कई एकड़ जमीन पानी के बहाव में समाते हुये गायब हो चुकी है। मगर आज तक शासन प्रशासन में बैठे हुये जिम्मेदारों द्वारा इस किसानों की राहत पहुंचाने की ओर कोई कदम नही उठाया गया है। इस तरह हर वर्ष किसानों के रकवे में लग रही सेंध को लेकर क्षेत्र के किसानों का कहना है कि नदी में बाढ का पानी आते ही उनकी जमीन की मिट्टी नदी के पानी में बह जाने के कारण खेत रेत में तब्दील हो चुका होता है। यदि राजस्व विभाग इस सच्चाई का पता लगाने के लिये खुद के माध्यम से नदी किनारे खेती करने वाले इन किसानों की जमीन की नाप कराते हुये रकवे की जांच कराये तो सैकड़ो एकड़ जमीन मौके से गायब मिलेगी मात्र कागजों में ही किसानों का रकवा दिखाई दे रहा है? मगर इसके बाद चौकाने वाली सच्चाई तो उस समय देखने मिलती है कि इन किसानों के नाम पर दर्ज भूमि नदी में समाहित होने के बाद यदि यह किसान उसी जमीन से रेत उठाने का प्रयास करते है तो प्रशासन द्वारा उनके खिलाफ कार्यवाही करने में कोई कसर नही छोड़ता है। इस तरह खुलेआम प्रशासन व प्रकृति मिलकर इन किसानों की जमीन का बगैर किसी आर्थिक मदद के अधिग्रहण करते हुये चला जा रहा है। इस तरह सीतारेवा नदी में समाहित हो रही किसानों की भूमि को लेकर क्षेत्र के किसानों द्वारा शासन प्रशासन से आर्थिक मदद की गुहार लगाते हुये यह आवाज उठाई जा रही है कि जिन किसानों की जमीन नदी में तब्दील हुई है उस जगह से रेत विक्रय करने का उन्ही किसानों को अधिकार मिलना चाहिये।

कहीं कुत्तों से न फैल जाए बीमारी, पानी टंकी क्षेत्र कुत्तों के झुंड से राहगीरों में फैल रही दहशत

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इन दिनों देखा जा रहा है कि शहर में अधिकतर आवारा कुत्तें खुजली बीमारी की चपेट में आते हुये दिखाई दे रहे है। इससे गली चौराहों से आने जाने वाले लोगों की परेशानियां बढ़ रही है। वही दूसरी ओर इन बीमार कुत्तों से अन्य कुत्तें तो चपेट में आ ही रहे है बल्कि इंसानों में भी यह बीमारी फैलने की आशंका है? यूं फैलती है बीमारी- आवार कुत्तों को अमूमन खुजली की बीमारी फंगस, फफूंद तथा पैरासाइट की वजह से होती है। इस तरह पालतू कुत्तों की समय समय पर सफाई होने से इनमें बीमारी कम पाई जाती है। लेकिन आवारा कुत्तों में सफाई के अभाव में बीमारी ज्यादा होती है जो बातावरण में फैलाता प्रदूषण भी मुख्य कारण है, प्रदूषित पानी पीने या प्रदूषित धूल कण में लेटने से भी खुजली की बीमारी की समस्या पैदा हो रही है। इंसानों को भी खतरा-पशु चिकित्साकों के अनुसार खुजली से पीड़ित कुत्तें बीमारी से परेशान होकर इधर उधर तेजी से घूमतें है, जिससे पास से निकलने वाले लोगों को भी इनके कीटाणु फैलतें है। बच्चों को अधिक सावधानी रखनी चाहिए। क्योंकि बच्चों में नासमझी की वजह से बच्चों के इनके सम्पर्क में आने या छू लेने से उन्हे भी बीमारी लगने की संभावना रहती है। मुहिम चालाई जाए- क्षेत्र में घूमते आवारो कुत्तों में खुजली रोग ज्यादा फैल रहा है, गलियों तथा सड़कों पर घूमतें खुजेरिया कुत्तों से बच्चों को बचाने की चिंता अभिभावकों कों सताने लगी है। इस तरह शहर के आवारा कुत्तों में तेजी से यह बीमारी फैल रही है, नगरपालिका को पशु चिकित्सालय की सहायता से ऐसे कुत्तों का उपचार करवाकर इन्हें शहर से दूर जंगल में छोड़ने जैसी पहल चलना चाहिए। वही दूसरी ओर नगर की पानी टंकी क्षेत्र में दिन रात कुत्तों की फौज का आंतक देखने मिल रहा है। इस तरह बीमारियों की चपेट में आये हुये इन कुत्तों की फौज यहां से निकलने वाले मोटर साईकिलों के ऊपर हमला बोलने में पीछे नही रहते है। जब कोई व्यक्ति अपनी मोटर साईकिल पर किसी महिला व बच्चों के साथ निकल रहा होता है उसी दौरान कुत्तों द्वारा अचानक उसके पीछे दौड़ने लगते है।

खबर संक्षेप

शिक्षकों की कमी दूर करने करंजिया BEO ने दिए अतिथि शिक्षक नियुक्ति के निर्देश

डिंडौरी। नवागत प्रभारी विकासखंड शिक्षा अधिकारी (BEO) तीरथ सिंह परस्ते ने करंजिया विकासखंड अंतर्गत सभी माध्यमिक, प्राथमिक और एकीकृत माध्यमिक विद्यालयों के प्राचार्यों एवं प्रधान पाठकों की बैठक आयोजित कर महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश शासन, लोक शिक्षण संचालनालय एवं आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग द्वारा जारी आदेशों का गहन अध्ययन करते हुए शालाओं में रिक्त पदों पर अतिथि शिक्षकों की विधिवत नियुक्ति की जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि शैक्षणिक गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी और आवश्यकतानुसार विषयवार शिक्षकों की व्यवस्था की जाए। बीईओ परस्ते ने बताया कि माध्यमिक शालाओं में कम से कम 3 शिक्षक, प्राथमिक विद्यालयों में 2 शिक्षक और कक्षा 1 से 8 तक संचालित एकीकृत विद्यालयों में 5 शिक्षक साथ ही कक्षा 1 से 10वीं तक के विद्यालयों में 8 शिक्षक विषयानुसार नियुक्त किए जाएं। उन्होंने कहा कि पूर्व से कार्यरत अतिथि शिक्षकों का चयन स्कोर कार्ड और प्रशिक्षण योग्यता (डीएड, बीएड) के अंकों के आधार पर किया जाए। एक ही विषय में दो शिक्षक होने पर अधिक स्कोर वाले को प्राथमिकता मिलेगी।हायर सेकेंडरी शालाओं में भी विषयानुसार नियुक्तियाँ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सभी नियुक्तियाँ ईएचआरएमएस पोर्टल पर दर्ज करते हुए शाला प्रबंधन समिति की बैठक के माध्यम से की जाएं। बीईओ ने चेतावनी दी कि शासन के निर्देशों की अनदेखी या नियमविरुद्ध भर्ती पर संबंधित प्राचार्य या प्रधान पाठक को उत्तरदायी मानते हुए कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने दोहराया कि शासन की मंशानुसार शैक्षणिक गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता है और सभी स्कूल प्रमुखों को इस दिशा में जिम्मेदारी से कार्य करना होगा।

जिला प्रशासन एवं वन विभाग के द्वारा वन ग्रामों में पात्र हितग्राहियों को वनाधिकार पत्र/ सुधार हेतु लगाए गए शिविर

डिंडौरी। जिला प्रशासन एवं वन विभाग के द्वारा वन ग्रामों में पात्र हितग्राहियों को वनाधिकार पत्र/ सुधार हेतु लगाए गए शिविर राजस्व विभाग, वन विभाग द्वारा वनग्रामों में वनाधिकार पत्र देने हेतु आज शनिवार को कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या और डीएफओ प्रनीत सोनकर ने वि.ख. डिण्डौरी के वनग्राम राम्हेपुर के प्राथमिक शाला प्रांगण, वनग्राम रानी बुढार के माध्यमिक शाला प्रांगण में ग्राम के लोगों की चौपाल लगाकर वनग्राम के पात्र हितग्राहियों से बैगा एवं अनुसूचित जनजाति समुदाय के लोगों से वनाधिकार पत्र दिलाने एवं संशोधन कार्य हेतु चौपाल का आयोजन किया गया। जहां पर 27 आवेदन प्राप्त हुए। ग्राम स्तरीय समिति, पटवारी, बीटगार्ड, सचिव को कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने तीन दिवस के अन्दर पूर्व कार्यवाही करने को कहा। साथ ही साथ पात्र हितग्राहियों को वनाधिकार पत्र देने एवं ग्राम समिति को तीन दिवस के अन्दर फाईल प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। लापरवाही करने वाले कर्मचारी पर कार्यवाही की जायेगी। वही पर गांव के लोगो ने बरसात में बिजली और की समस्या रखी। जिस पर संबंधित अधिकारियों को तुरंत निराकरण करने के निर्देश दिए। ग्राम टोला रायजिला से ग्राम रानी बुढार तक 4 किमी लम्बे पंहुच मार्ग को सीधा एवं पूर्ण कराने का अनुरोध किया। जिस पर कलेक्टर ने पीएम जेएसवाई अधिकारियों को सडक निर्माण कार्य में सहयोग कर पूर्ण करने के निर्देश दिए। वन मंडल अधिकारी पुनीत सोनकर, तहसीलदार शिंदे, डीपीसी राघवेन्द्र मिश्रा, रमेश मरावी मुख्य जिला चिकित्सा अधिकारी, पीएचई, श्याम सिंगोर एवं अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर नेहा मारव्या का औचक निरीक्षण

शैक्षणिक गुणवत्ता और आधारभूत सुविधाओं का लिया जायजा

कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने शनिवार को जिले के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों और स्वास्थ्य केंद्रों का औचक निरीक्षण किया।

हरिभूमि न्यूज, डिंडोरी।

इस दौरान उन्होंने विद्यालयों की शैक्षणिक गुणवत्ता, विद्यार्थियों की उपस्थिति, शिक्षकों की उपस्थिति, मध्यान्ह भोजन की व्यवस्था, विद्यालय परिसरों की स्वच्छता और मूलभूत सुविधाओं का गहन अवलोकन किया।

कलेक्टर ने शासकीय माध्यमिक शाला एकीकृत रानी बुढार, प्राथमिक शाला रानी बुढार, आंगनवाड़ी केंद्र रानी बुढार, प्राथमिक शाला राम्हेपुर, आदिमजाति कल्याण विभाग की शाला सारसताल, आंगनवाड़ी केंद्र रामगुड़ा, शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला रामगुड़ा और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सारसताल का दौरा किया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर कक्षाओं में पहुंचीं और विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम से संबंधित प्रश्न पूछे। उन्होंने बच्चों की उत्तर देने की क्षमता, पढ़ने की शैली और पठन-पाठन सामग्री का निरीक्षण किया। कुछ विद्यालयों के प्रदर्शन पर संतोष जताया, जबकि कुछ स्थानों पर शिक्षण स्तर में सुधार की आवश्यकता बताई।

श्रीमती मारव्या ने शिक्षकों को निर्देश दिए कि वे समय पर स्कूल पहुंचें और शिक्षण कार्य में पूरी जिम्मेदारी से जुड़ें। मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता की जांच करते हुए उन्होंने मीनू के अनुसार भोजन उपलब्ध कराने और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। लापरवाही पाए जाने पर संबंधित कर्मचारियों पर कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए।

उपस्थिति में लापरवाही पर सख्तीः

रानी बुढार की एकीकृत माध्यमिक शाला में दर्ज 61 छात्रों में केवल 29 उपस्थित पाए गए। इस पर कलेक्टर ने शाला प्रभारी रामकुमार प्रजापति को दो दिन में उपस्थिति सुधारने के निर्देश दिए। वहीं भवन में पानी रिसाव पर डीपीसी को तुरंत मरम्मत कार्य कराने के निर्देश दिए।

राम्हेपुर शाला की जर्जर स्थिति पर कार्रवाईः

प्राथमिक शाला राम्हेपुर में बरसात के पानी का रिसाव और जर्जर भवन की स्थिति को देखते हुए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को सूची तैयार कर मरम्मत कार्य शीघ्र कराने के निर्देश दिए।

सारसताल और रामगुड़ा में व्यापक निरीक्षणः

आदिमजाति कल्याण विभाग की प्राथमिक शाला सारसताल में छात्रों से संवाद कर शैक्षणिक स्थिति जानी गई। वहीं आंगनवाड़ी केंद्र रामगुड़ा माल में बच्चों की शैक्षिक क्षमता का परीक्षण किया गया और उन्हें शैक्षिक सामग्री भेंट की गई। एक कुपोषित बच्चा मिलने पर कलेक्टर ने गंभीरता से लेते हुए उसे उपचार के लिए डिंडोरी स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराने के निर्देश दिए।

हाईस्कूल सारसताल में शिक्षकों की नियुक्तिः

हाईस्कूल सारसताल में लंबे समय से नियमित शिक्षक न होने की समस्या पर संज्ञान लेते हुए कलेक्टर ने युक्तिकरण के माध्यम से 4 शिक्षकों की नियुक्ति सुनिश्चित कराई। अब विद्यालय में नियमित शिक्षण कार्य संचालित किया जा रहा है।

स्वास्थ्य सेवाओं की भी ली समीक्षाः

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सारसताल में पहुंचकर कलेक्टर ने डॉक्टरों से मरीजों के उपचार, उपलब्ध दवाओं और क्षेत्रीय स्वास्थ्य समस्याओं की जानकारी ली। गर्भवती महिलाओं, सर्पदंश की दवा और गंभीर संक्रमण रोगों की स्थिति की भी समीक्षा की गई। इस अवसर पर वनमंडल अधिकारी पुनीत सोनकर, तहसीलदार शंशाक शिंदे, डीपीसी राघवेंद्र मिश्रा, सीएमएचओ रमेश मरावी सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने कहाः

"विद्यालय केवल अध्ययन का केंद्र नहीं, बल्कि बच्चों के समग्र विकास का माध्यम हैं। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हर बच्चा सुरक्षित, स्वस्थ और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से युक्त वातावरण में शिक्षित हो।"

मध्य प्रदेश में नशामुक्ति के लिए जोरदार माँग, डिंडौरी में विशेष अभियान की जरूरत, मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

डिंडोरी।

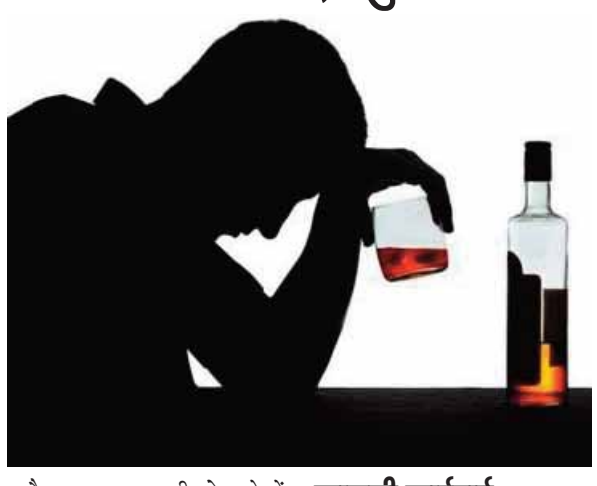

नशा समाज का एक ऐसा अभिशाप बन चुका है, जो न केवल व्यक्तियों के जीवन को तबाह कर रहा है, बल्कि परिवारों और समुदायों को भी विघटित कर रहा है। इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए मध्य प्रदेश के सभी जिलों में एक व्यापक नशामुक्ति अभियान चलाने की माँग अधिवक्ता सम्यक जैन ने प्रदेश के मुखिया को संबोधित करते हुए कि हैं। खास तौर पर नर्मदा नदी के तट पर बसी धार्मिक नगरी डिंडौरी में इस अभियान को प्रभावी ढंग से लागू करने की आवश्यकता पर जोर दिया है, ताकि इसकी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित रखा जा सके।

पूर्व में मुख्यमंत्री कार्यालय ने कार्यवाही के निर्देश दिए थे वही आबकारी आयुक्त ने जिला आबकारी आधिकारी को कार्यवाही के निर्देश दिए थे परन्तु प्रभावी कार्यवाही देखने ना मिलने और अवैध शराब का गली मोहल्ले में विक्रय होना और ठेकेदार पर कार्यवाही नहीं करना विभिन्न प्रश्न खडा करते है जिस तारतम्य में सम्यक ने मुख्यमंत्री कार्यालय को विस्तृत आवेदन सौंपा है, जिसमें नशे की रोकथाम और इसके दुष्प्रभावों को खत्म करने के लिए तत्काल और ठोस कदम उठाने की माँग की गई है।

कानूनी कार्रवाईः

नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री और तस्करी पर सख्त कार्रवाई की जाए। हाल ही में शहपुरा पुलिस और बिछिया चौकी ने छपरा घाट में छापेमारी कर 5.167 किलोग्राम गांजा और एक बाइक जब्त की थी, जिसमें दो लोग गिरफ्तार हुए। ऐसी कार्रवाइयों को और तेज करने की जरूरत है।

डिंडौरी की धार्मिक महत्ता को चुनौती

डिंडौरी, जो अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है, नशे की बढ़ती समस्या से जूझ रही है। हमारी धार्मिक नगरी की पवित्रता को बचाने के लिए तत्काल कार्रवाई जरूरी है। हालाँकि पुलिस ने कुछ कार्रवाइयाँ की हैं, जैसे हाल की गांजा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई, लेकिन यह समस्या जटिल है और इसके लिए दीर्घकालिक रणनीति की जरूरत है। नागरिकों ने जिला प्रशासन से माँग की है कि वह केंद्र सरकार के "नशा मुक्त भारत अभियान" के साथ समन्वय कर एक प्रभावी कार्ययोजना बनाए।

डिंडौरी को नशामुक्त बनाने की यह पहल पूरे मध्य प्रदेश के लिए एक मिसाल बन सकती है। जिला प्रशासन से अपेक्षा है कि वह इस आवेदन पर शीघ्र कार्रवाई करेगा और नशामुक्त समाज की दिशा में कदम उठाएगा।

हरियाली महोत्सव के तहत डिंडोरी पुलिस ने किया पौधरोपण, पर्यावरण संरक्षण का लिया

डिंडोरी।

हरियाली महोत्सव के अवसर पर शनिवार को पुलिस अधीक्षक श्रीमती वाहनी सिंह के नेतृत्व में पुलिस लाइन परिसर और यातायात थाना में भव्य पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर पुलिस परिवार के सदस्यों ने फलदार और औषधीय पौधों का रोपण करते हुए पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली।

पौधरोपण के पश्चात एसपी वाहनी सिंह ने आमजन से अपील की कि प्रत्येक व्यक्ति को प्रकृति के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए। उन्होंने पौधों की नियमित देखभाल और उन्हें समय-समय पर पानी देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक दायित्व नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवनदायिनी विरासत है। हम सभी को मिलकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए।

इस अवसर पर यातायात थाना प्रभारी सुभाष उइके ने भी पर्यावरण संरक्षण का महत्व बताते हुए कहा कि पेड़ न केवल मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार करते हैं, बल्कि तनाव को भी कम करने में सहायक होते हैं। पेड़ जल स्त्रोतों का संरक्षण करते हैं, मिट्टी में नमी बनाए रखते हैं, और जैव विविधता को बढ़ावा देते हैं। रक्षित निरीक्षक प्रभारी कुंवर सिंह ने भी इस अवसर पर कहा कि वृक्ष धरती का श्रृंगार हैं और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में इनकी भूमिका अहम होती है। उन्होंने लोगों से इस अभियान को अपने जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की। इस पौधरोपण कार्यक्रम में एसपी स्टेनो निरीक्षक गीतेन्द्र दांदरे, लेखपाल पहल सिंह पट्टावी, सहायक उपनिरीक्षक ब्रजेश त्रिपाठी सहित अन्य पुलिस अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

"एक पौधा मां के नाम" अभियान के तहत शहपुरा में हुआ भावनात्मक वृक्षारोपण कार्यक्रम

मां के सम्मान और पर्यावरण की सुरक्षा का अनूठा संगम

डिंडोरी/शहपुरा।

सावन माह की हरियाली और धार्मिक भावनाओं के बीच भाजपा मंडल शहपुरा ने एक सराहनीय पहल करते हुए "एक पौधा मां के नाम" अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का आयोजन मोंडल रोड स्थित श्मशान घाट परिसर में किया गया, जहां मां के सम्मान में आम, अमरूद, बरगद जैसे फलदार और छायादार पौधे रोपे गए। इस अवसर पर भाजपा नेताओं और समाजसेवियों ने न केवल पौधारोपण किया बल्कि मां के चरणों में प्रकृति का यह नमन समर्पित करते हुए यह संकल्प लिया कि हर व्यक्ति साल में कम से कम एक पौधा अपनी मां के नाम पर जरूर रोपे।

पर्यावरण संरक्षण के साथ भावनात्मक जुड़ाव

इस पहल के पीछे केवल हरियाली बढ़ाना ही नहीं, बल्कि मां के प्रति सम्मान व्यक्त करना और समाज को भावनात्मक रूप से जोड़ना भी प्रमुख उद्देश्य रहा। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि– "पेड़ न केवल ऑक्सीजन देते हैं, बल्कि मां की तरह छांव और सुरक्षा भी देते हैं। यदि हम मां के नाम पर पौधे लगाएं, तो हर पौधा हमारे रिश्ते और संस्कृति का प्रतीक बन जाएगा।"

स्थानीय जनभागीदारी की मिसाल इस कार्यक्रम ने स्थानीय नागरिकों में भी जागरूकता पैदा की। बड़ी संख्या में युवाओं ने पौधों की देखरेख की जिम्मेदारी ली। पार्षदों ने भी संकल्प लिया कि वे अपने-अपने वार्डों में इस अभियान को आगे बढ़ाएंगे

वृक्षारोपण में शामिल हुए गणमान्य जन

कार्यक्रम में भाजपा के वाशिष्ठ नेता विष्णु अवधिया, जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रियंका आर्मो, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गिरजा कारपेंटर, पार्षद सुरेंद्र साहू, मीरा वनवासी, देवेंद्र वनवासी, समाजसेवी सतेंद्र जैन, कैलाश उसराठे, राजू सोनी, संजू उसराठे, रवि वनवासी, द्वारका भवेदी, सलभ साहू सहित कई स्थानीय नागरिक एवं युवा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

5G युग में भी बीएसएनएल नेटवर्क संकट से जूझ रहा करंजिया ब्लॉक

डिजिटल इंडिया के सपनों को डिंडौरी में लग रहे हैं झटके

डिंडौरी।

करंजिया विकासखंड अंतर्गत कस्बा गोरखपुर सहित अंचल में बीएसएनएल के नेटवर्क पर संकट बरकरार हैं।विभाग और जिम्मेदारों की उदासीन रवैया के चलते यह नेटवर्क लगभग पूरी तरह से अपनी पहचान खो चुका हैं बावजूद इसे कोई संभालने सामने नहीं आ रहा। जहां एक ओर भारत सरकार "डिजिटल इंडिया" और "5G क्रांति" के सपने को साकार करने की दिशा में तेजी से बढ़ रही है, वहीं दूसरी ओर डिंडोरी जिले का करंजिया ब्लॉक अब भी मोबाइल नेटवर्क की बुनियादी सुविधाओं से वंचित है। जनपद पंचायत करंजिया के अंतर्गत आने वाले इस ब्लॉक में आज भी लोग बीएसएनएल नेटवर्क की तलाश में यहां वहां भटकने मजबूर हैं फिर भी मोबाइल में सिग्नल नहीं आता। लोगों का कहना है कि वह बीएसएनएल सिम धारक हैं लेकिन पिछले कुछ वर्षों में तो इसका नेटवर्क बिल्कुल गायब था हाल ही में कुछ सुधार के बाद दो चार दिन नेटवर्क आया लेकिन पिछले पंद्रह दिनों से फिर सिग्नल गायब हैं जबकि वें हर महीने इस कंपनी का रिचार्ज करा रहे हैं, वैसे करंजिया ।ब्लॉक में नेटवर्क की स्थिति इतनी खराब है कि मोबाइल से किसी को कॉल करना भी एक चुनौती बन गया है। इंटरनेट की स्पीड तो इतनी धीमी है कि व्हाट्सएप मैसेज भी कभी-कभी आधे घंटे तक नहीं पहुंचते। ऐसे में डिजिटल सेवाओं, ऑनलाइन क्लास, बैंकिंग, टेलीमेडिसिन, रोजगार से जुड़े कार्य और सरकारी योजनाओं की जानकारी तक सीमित हो गई है।

बीएसएनएल की हालत

एक समय में पूरे क्षेत्र में बीएसएनएल नेटवर्क को 'किंग नेटवर्क' के तौर पर जाना जाता था, लेकिन आज वह पूरी तरह से दम तोड़ता नजर आ रहा है। ना टॉवर की मरम्मत हो रही है, ना ही किसी प्रकार का सिग्नल मिल रहा है। निजी कंपनियों की बात करें तो फिलहाल केवल दो नेटवर्क – जियो और v i – ही मौजूद हैं, लेकिन इनकी पकड़ भी बेहद कमजोर है। अधिकतर गांवों में या तो सिग्नल बिल्कुल नहीं आता, या फिर केवल कॉल के लिए सीमित रहता है। इंटरनेट की बात करें तो 3G जैसी स्पीड भी बड़ी बात मानी जाती है।

डिजिटल इंडिया की योजनाएं यहां ठप

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा घोषित "डिजिटल इंडिया मिशन" का उद्देश्य था कि देश के अंतिम व्यक्ति तक तकनीक पहुंचे, लेकिन इस जनपद की स्थिति इस लक्ष्य से कोसों दूर है।और कब तक इस मुसीबत से सामना करना पड़ेगा कहना दूभर है

स्कूलों में ऑनलाइन पढ़ाई नहीं हो पा रही

कृषकों को फसल बीमा या पोर्टल आधारित योजनाओं में कठिनाई, सरकारी कर्मचारियों को पोर्टल अपडेट करने में दिक्कत, आम नागरिक डिजिटल पेमेंट और बैंकिंग से वंचित लोगों में बढ़ रही नाराजगी, स्थानीय नागरिकों में इस मुद्दे को लेकर गहरी नाराजगी है। ग्रामीणों का कहना है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

प्रतिदिन बारिश से फसलें हो रही खराब

किसानों का संकट बनती जा रही बारिश

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले मे बीते दो सप्ताह से जारी बारिश के कारण जन जीवन प्रभावित रहा लेकिन दो दिनों से बारिश में कुछ कमी आई जिससे लोगों द्वारा राहत की सांस ली। लेकिन बारिश प्रतिदिन होने से किसानों को किसी प्रकार की राहत नही मिली है। बारिश के कारण किसान फसलों की बुआई नही कर पा रहे है तो वही जो फसल किसानों द्वारा बुआई कर दी गई है वही खेत मे खराब हो रही है यदि आलम यही रहा तो बारिश के कारण किसानों को आर्थिक संकट बढ़ता नजर आ रहा है।

खेतों मे सड़ने लगा बीज

किसानों से चर्चा के दौरान बताया गया कि बारिश के चलते खेतों मे बुआई गई फसल का बीत खेत मे पड़े - पड़े सड़ने लगा है। इस बार जो बारिश जो शुरू हुई है। अभी तक बंद होने का नाम नहीं तक नहीं ले पा रही है। अभी तक 585.2 मिमी बारिश हो चुकी है। मूंग फसल को काटने के तत्काल बाद से कुछ किसानों ने खेतों में सोयाबीन, मक्का, अरहर की बोनी कर दी थी, और धान के रोपा भी लगा दिए थे। लेकिन लगातार वर्षा के चलते खेतों में पानी भरने के कारण सोयाबीन, अरहर की बीज खराब होने की जानकारी मिली है। मक्का फसल भी खराब होने की स्थिति में पहुंच गई है। वर्तमान में खेत लबालब भरे हुए हैं।

किसानों को भारी नुकसान की आशंका

जिले मे हो रही बारिश के चलते किसानों के हाल बेहाल बना हुआ। बारिश लगभग 14 दिनों से अपना क्रम बनाए हुए है। लगातार हो रही बारिश के कारण खेतों में पानी भर गया है। कई किसानों की फसलें जलमग्न हो गई हैं, जिससे उनकी मेहनत और लागत बर्बाद हो गई है। विशेष रूप से, दलहनी और तिलहनी फसलें जैसे कि सोयाबीन, उड़द, और मक्का जलभराव से सबसे ज्यादा प्रभावित हुई हैं। जलभराव के कारण, मिट्टी में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है, जिससे पौधों की जड़ों का विकास रुक जाता है और फसलें सड़ने लगती हैं। इसके अलावा, जलभराव से मिट्टी में पोषक तत्वों की कमी हो जाती है, जिससे फसलें कमजोर हो जाती हैं और बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाती हैं। किसानों द्वारा फसलों को बचाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे है।

जिले में अब तक 585.2 मिमी वर्षा दर्ज

अधीक्षक भू- अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में एक जून से 12 जुलाई तक की अवधि में औसत रूप से कुल 585.2 मिमी अर्थात 23.04 इंच वर्षा दर्ज की गई है। 12 जुलाई की सुबह तक बीते 24 घंटे में जिले में औसतन 57 मिमी अर्थात 2.24 इंच वर्षा दर्ज की गई है। इस दिन तहसील नरसिंहपुर में 77 मिमी, गाडरवारा में 39 मिमी, गोटेगांव में 42 मिमी, करेली में 40 मिमी और तेंदूखेड़ा में 87 मिमी वर्षा आंकी गई है। 12 जुलाई तक तहसील नरसिंहपुर में 602 मिमी, गाडरवारा में 666, गोटेगांव में 527 मिमी, करेली में 536 मिमी और तेंदूखेड़ा में 595 मिमी वर्षा आंकी गई है। इसी अवधि में पिछले वर्ष जिले में औसतन 167.40 मिमी अर्थात 6.59 इंच वर्षा हुई थी। इस अवधि में पिछले वर्ष तहसील नरसिंहपुर में 126 मिमी, गाडरवारा में 220 मिमी, गोटेगांव में 223 मिमी, करेली में 94 और तेन्दूखेड़ा में 174 मिमी वर्षा हुई थी।

खबर संक्षेप

किसान कल्याण तथा कृषि विभाग द्वारा किसानों को मिनीकिट बीज वितरण किया

गोटेगांव। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विकासखंड गोटेगांव के द्वारा मिनीकिट बीज वितरण का कार्यक्रम जनपद पंचायत सभाहाल में आयोजित किया गया जिसमें मुख्य रूप से उपस्थित क्षेत्रीय विधायक महेंद्र नागेश एवं कृषि विभाग के पदाधिकारी द्वारा बड़ी संख्या में पहुंचे किसानों को मिनीकिट बीज वितरण किए जाने के उपरांत उपस्थित कृषि विभाग अधिकारियों ने किसानों को कृषि संबंधित जानकारी से किसानों को अवगत कराया साथ ही कृषि करने के लिए तरीका बतलाएं इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि वेद प्रकाश कुलस्ते मंडल अध्यक्ष भागवत पटेल जनपद उपाध्यक्ष दादूराम पटेल जनपद सदस्य रामजी पटेल एवं अन्य जनप्रतिनिधि एवं कृषि विभाग गोटेगांव के अधिकारी सहित क्षेत्रीय किसान बड़ी संख्या में उपस्थित थे

आर्यवीर पटेल ने विद्यालय का नाम किया रोशन

गोटेगांव- विगतदिवस नगर की प्रतिष्ठित संस्थान श्री निर्विकार पथ द्वारा संचालित एसबीएस पब्लिक स्कूल अंग्रेजी माध्यम के 8 वीं क्लास में अध्ययनरत छात्र आर्यवीर पटेल ने 566/600 94.34 प्रतिशत अंक हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन करने के साथ साथ संपूर्ण क्षेत्र व जिले को गौरवान्वित किया,छात्र आर्यवीर पटेल पिता अखिलेश पटेल माता श्रीमती प्रीति पटेल सिद्धेश्वर कॉलोनी गोटेगांव निवासी के सुपुत्र हैं, होनहार छात्र ने कड़ी मेहनत लगन के साथ परिश्रम कर परीक्षा में पाई इस सफलता का श्रेय प्राचार्य शिक्षक शिक्षिकाओं व अपने माता पिता को दिया,छात्र की इस उपलब्धि पर शिक्षक शिक्षिकाओं शाला परिवार व शुभचिंतकों परिवारजनों ने हर्ष व्यक्त करते हुएबधाई देकर छात्र के उज्जवल भविष्य की कामना की.

गुरु पूर्णिमा पर निकली भव्य सांई पालकी यात्रा

गोटेगांव। नगर के भगतसिंह वार्ड स्थित गुरुपूर्णिमा के पावन पर्व पर साईं मंदिर से भव्य पालकी यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें सर्वप्रथम दीप प्रज्वलित कर श्री साईं बाबा की पूर्ण विधि विधान मंत्रउच्चारण के साथ पूजन अर्चन करने के उपरांत सांई पालकी की यात्रा मंदिर से प्रारंभ होकर जागृति नगर होते हुए पुनः मंदिर परिसर में सम्पन्न हुई। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्ति भाव से झूमते-गाते हुए यात्रा में शामिल हुए। समिति के युवा सदस्य हर्षित कुमार ने जानकारी देते हुए बताया की यह भव्य पालकी यात्रा विगत सात वर्षों से निरंतर निकाली जा रही है, जिसमें नगर के कोने-कोने से साईं भक्त उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं। पूरे नगर में यात्रा के दौरान भक्ति की गूंज और भक्तों की श्रद्धा से वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया। अंत में सभी श्रद्धालुओं के लिए भंडारे व प्रसाद की व्यवस्था भी की गई, जिसका सभी ने आनंद लिया। इस अवसर पर इंजी. सरदारसिंह पटेल निर्मल पटेल शरद सोनी सतीश बड़िया सहित अनेक श्रद्धालुओं ने साईं पालकी यात्रा में सम्मलित होकर धर्मलाभ उठाया।

कौशलेंद्र जाट का निधन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। शनिवार ग्राम मेनावरी के जाट पटेल परिवार के पुत्र कौशलेंद्र जाट पप्पू का 39 वर्ष की आयु में हृदय गति रुक जाने के कारण निधन हो गया। वे श्री सुरेंद्र जाट पटेल के सुपुत्र थे। श्री जाट विद्यार्थी परिषद, युवा मोर्चा में कई पदों पर रहे तथा नरसिंहपुर विधायक जालम सिंह पटेल के प्रवक्ता रहे। पत्रकार संगठन और अन्य संगठनों से भी जुड़े रहे। जिनका अंतिम संस्कार स्थानीय मुक्तिधाम में किया गया। जहां पर समाज के समाज के सभी वर्गों द्वारा श्रद्धांजलि दी गई।

बरहटा स्कूल शिक्षकों व विद्यार्थियों ने रोपे पौधे

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। शनिवार शासकीय हाई स्कूल खापा शेढ़ में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण किया गया। जिसके अंतर्गत विद्यालय परिसर में अशोक के पेड़ का रोपण किया गया। वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत विद्यालय में वृक्षरोपण किया जा रहा है। आगामी दिवसों में भी विभिन्न प्रजाति के वृक्षों का रोपण किया जाएगा। वृक्षारोपण प्राचार्य एस के बक्शी के मार्गदर्शन में संपन्न कराया जा रहा है। वृक्षारोपण कार्यक्रम में शिक्षक ओंकार गोस्वामी, प्रीति धुर्वे, गेंदालाल काछी तथा विद्यार्थियों द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

मारपीट के आरोपी को कारावास

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस न्यायालय, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी गाडरवारा के न्यायालय द्वारा पैसे की मांग करने एवं लोहे के धारदार कटर से चेहरे पर मारने वाले प्रकरण में आरोपी उमेश उर्फ करिया उर्फ काला पिता डालचंद्र कहार, आयु 42 वर्ष, निवासी शास्त्री वार्ड गाडरवारा, थाना गाडरवारा जिला नरसिंहपुर म.प्र., को दोष सिद्ध पाते हुए आरोपी को भा.दं.सं. की धारा- 327, 324 में क्रमशः 02 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1000- रूपये अर्थदंड व 6 माह का सश्रम कारावास व 1000- अर्थदंड से दंडित किया गया। आहत का चिकित्सीय परीक्षण कराया गया। सूचना रिपोर्ट के आधार पर थाना गाडरवारा के अपराध क्रमांक 1061/2023 अंतर्गत धारा 294, 323, 324, 327 एवं 506 भाग-2 भारतीय दंड संहिता 1860 के अधीन दंडनीय अपराध के संबंध में अभियुक्त के विरूद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

प्रसूता के घर तक नहीं पहुंच सकी एंबुलेंस

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले में सरकार द्वारा किए जाने वाले विकास के दावों की पोल खुलती नजर आ रही है। सरकार द्वारा प्रसूती सेवाओं के लिए चलाई जाने वाली जननी सुरक्षा एंबुलेंस प्रसूता के घर तक नहीं पहुंची। मिली जानकारी के अनुसार 108 एंबुलेंस को प्रसूता को लेने पहुंची लेकिन पानी पुलिया के ऊपर से होने के कारण एंबुलेंस महिला के घर तक नहीं पहुंच सकी। वही सरपंच द्वारा महिला को पुलिया तक छोड़ा गया। वही एंबुलेंस चालक व पायलट गाड़ी से नीचे तक नही उतरे जिसका वीडियों शोसल मीडिया मे तेजी से वायरल हुआ जिसके बाद प्रशासन हरकत मे आया और कार्रवाई की गई। जिला मुख्यालय से सटे ग्राम कुम्हड़ी के मनुहरिया टोला में एक गर्भवती महिला को सुरक्षित प्रसव के लिए जिला अस्पताल ले जाना था, लेकिन एंबुलेंस कर्मियों की लापरवाही के चलते महिला को जान जोखिम में डालकर पैदल नाला पार करना पड़ा। वीडियो वायरल होने के बाद लोगों द्वारा निंदा की जा रही है। बताया गया पुलिया पर लगभग 1 फुट उपर से पानी बह रहा था वही लोग मोटर सायकिल पार करा रहे थे लेकिन एंबुलेंस उसे पार नही कर सकी।

डॉ. दिवाकर सिंह हिंदी विषय विशेषज्ञ मनोनीत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। समीपी ग्राम सिंहपुर निवासी डॉ दिवाकर सिंह राजपूत डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर मध्य प्रदेश के मानविकी एवं समाज विज्ञान अध्ययनशाला के संकाय-अध्यक्ष के पद पर कार्यरत है। डॉ राजपूत को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा महाराष्ट्र के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के स्कूल विद्यापीठ मंडल में विषय विशेषज्ञ मनोनीत किया गया है। प्रोफेसर राजपूत अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा के संस्कृति विद्यापीठ में भी विद्यापीठ मंडल सदस्य मनोनीत हैं। प्रोफेसर दिवाकर सिंह राजपूत वर्तमान में महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश आदि प्रदेशों के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों की विभिन्न समितियों के सदस्य हैं। आप सिंहपुर निवासी स्व. कैलाश सिंह राजपूत के पुत्र है।

बीएलओ क्षमता विकास हेतु बूथ लेवल ऑफिसर्स को किया जाएगा प्रशिक्षित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश के निर्देशों के परिपालन में निर्वाचक नामावली त्रुटिरहित बनाने के लिए जिले की चारों विधानसभा क्षेत्र के बूथ लेवल ऑफिसर्स- बीएलओ का प्रशिक्षण विधानसभा स्तर पर आयोजित किया जायेगा। बीएलओ को प्रशिक्षण उपरांत बीएलओ का मूल्यांकन परीक्षा गूगल फॉर्म के माध्यम से किया जायेगा।

लगातार हो रही बारिश से आम जनजीवन प्रभावित

बाढ़ के चलते नदियों पर बनें पुल डूबने से सड़क मार्ग हुए बंद

तेंदूखेड़ा । क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के चलते जहां आम जनजीवन प्रभावित बना हुआ है वहीं तेंदूखेड़ा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम इमझिरा के समीप बरांझ नदी और डोभी के समीप पांडाझिर नदी पर बने पुलों के ऊपर से बाढ़ का पानी होने के कारण पुल डूबने से तेंदूखेड़ा से बरमान जाने वाला सड़क मार्ग पूरी तरह से बंद हो गया है। जिससे आवागमन भी प्रभावित हो रहा है। शुक्रवार की रात्रि में हुई जोरदार वारिस के कारण रात्रि में हुई जोरदार बारिश के चलते सड़क मार्ग बंद हो गया। मार्ग से जुड़े आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों से मुख्य सड़क मार्गों से संपर्क खत्म हो गया है। तथा निचली बस्तियों में भी पानी भरने की जानकारी मिली है। छोटे छोटे नरवा नालों में भी बाढ़ बनीं होने से ग्रामीण क्षेत्रों के लोग आवागमन नहीं कर पा रहे हैं।

गलने लगा सोयाबीन और अरहर का बीज

लगातार वारिस के कारण खेतों में पानी भर गया है। वारिस थमने का नाम ले नहीं पा रही है। किसानों ने पूर्व में ही सोयाबीन और अरहर मक्का की बोनी कर दी थी। लेकिन उपज अंकुरित होते ही लगातार वारिस से पौधे गलने के साथ वारिस के बीच की गई छिटका की बोनी के कारण जहां बीज बह गया है वहीं अनेकों स्थानों पर बीज गलने की जानकारी प्राप्त हुई है। स्तिथि यह बनीं हुई है कि धान की फसल के जहां तहां रोपा लगाये गये थे उन्हें छोड़कर शेष किसान अभी तक रोपा नहीं लगा पाये हैं। और ना ही सोयाबीन की बोबाई कर पाये हैं। किसानों का कहना है कि फसलों को साफ मौसम धूप की आवश्यकता है। मक्का फसल भी उचित ग्रोथ नहीं कर पा रही है।

नदी पर लगातार हो रहा कटाव

इमझिरा के समीप बहने वाली बरांझ नदी में लगातार बाढ़ के चलते नदी में कटाव पिछले दो तीन सालों से कुछ ज्यादा ही बढ़ता चला जा रहा है। इस कटाव से ऊपर श्मशान भूमि और खेल ग्राउंड की भूमी खराब होने की अशंका बनीं हुई है। तथा नदी किनारे प्रभावित किसानों को भी नुकसान होता चला जा रहा है।

महाविद्यालय में गुरु पूर्णिमा महोत्सव का हुआ आयोजन

गोटेगांव। विगतदिवस शासकीय ठाकुर निरंजनसिंह महाविद्यालय में गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया गया । जिसमें सभी ने राज्य स्तरीय कार्यक्रम का प्रसारण देखा सुना। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने गुरु वंदना का गायन कर महाविद्यालय के शिक्षकों का टीका वंदन किया i महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापकों द्वारा गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरु शिष्य परंपरा के संबंध में ज्ञानवर्धक जानकारियां देते हुए अपने विचार प्रस्तुत किए। इसका महत्व विद्यार्थियों को बताया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ रुकमणि अहिरवार ने अपने उद्बोधन में कहा कि गुरु अपने ज्ञान की रोशनी से अज्ञानता के अंधकार को मिटाकर विद्यार्थियों को शिक्षित कर उनके जीवन को खुशी व आनंद से भर देते हैं आयोजन में विद्यार्थी एवं सभी सहायक प्राध्यापक, कर्मचारी में शामिल हुए ।

जैन मुनि चातुर्मास मंगल कलश हुई स्थापना

गोटेगांव। विगतदिवस संत शिरोमणि आचार्य गुरुवर श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज के परम प्रभाव शिष्य एवं अभिनव आचार्य श्री 108 समयसागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद से अभीक्षण ज्ञानापयोगी मुनिश्री 108 प्रबुद्ध सागर जी महाराज एवं मुनि श्री 108 निर्दोष सागर जी महाराज का मंगलमयी पावन अमृत वर्षा योग गोटेगांव नगर में होने जा रहा है । 10 जुलाई को चातुर्मास के प्रथम सोपान में भव्य मंगल कलश स्थापना समारोह का आयोजन विद्या भवन में किया गया । ब्रह्मचारी भैया रविंद्र जी जबलपुर के कुशल मंत्रोच्चार एवं मंच संचालन के साथ सर्वप्रथम चातुर्मास समिति , जिला जैन महासभा के अध्यक्ष राजकुमार जैन एवं सभी जैन मंदिरों के प्रतिनिधियों ने आचार्य श्री के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया। ब्रह्मचारिणी बहनों ने मंगलाचरण की प्रस्तुति दी, नगर की सिंधु महिला मंडल द्वारा भक्ति भाव से पूजन की थालियों में सजाई गई अष्ट द्रव्य से आचार्य भगवंत का पूजन किया गया । वर्षा योग मंगल कलश स्थापना में अनेक सौभाग्यशाली परिवारों को कलश स्थापना का शुभ अवसर प्राप्त हुआ। मुनि श्री के पद प्रक्षालन का सौभाग्य चौधरी विभाष जैन परिवारजनों को मिला। इस अवसर पर अपने संक्षिप्त प्रवचन में मुनि श्री 108 प्रबुद्ध सागर जी महाराज ने कहा कि दिगंबर मुद्रा सनातन है, शाश्वत है। दिगंबरत्व कभी नहीं बदल सकता और जिस दिन दिगंबर बदल जाएंगे उस दिन सृष्टि बदल जाएगी। उन्होंने कहा कि जैन धर्म का मूल मंत्र अहिंसा है।जैन मुनि चार माह एक स्थान पर रहते हैं। स्वयं तो धर्म ध्यान करते ही हैं साथ ही श्रावकों को भी जैन धर्म के विभिन्न शास्त्रों का सूक्ष्म विश्लेषण कराते हैं।मंगल कलश स्थापना अवसर पर जबलपुर सागर ,दमोह,तेंदूखेड़ा , नरसिंहपुर ,करेली, पाटन, सहजपुर, शहपुरा,ठेमी, करकबेल बिजौरी चरगुवां सहित अन्य कई शहरों से मुनि भक्तों का आगमन हुआ।

गुरु की भक्ति भाव से पूजन अर्चन कर भक्तों ने लिया आशीर्वाद

गोटेगांव। विगतदिवस स्थानीय पटेलवार्ड स्थित जगत जननी मां नर्मदाजी के मंदिर में गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व भक्ति भाव श्रद्धा पूर्वक हर्ष उल्लासमय माहौल में मनाया गया सर्वप्रथम श्रद्धालु बंधुओ ने मां नर्मदा मैयाजी एवं गुरुजी की पूर्ण विधि विधान मंत्रउच्चारण के साथ पूजन अर्चन आरती वंदन कर आशीर्वाद ग्रहण किए जाने के उपरांत मंदिर पुजारी लखनलाल उप्पम ने गुरु की महिमा का बखान करते हुए बताया कि गुरु पूर्णिमा का पर्व उन सभी के जीवन में बहुत महत्व रखता है जो अपने गुरु द्वारा बताए दिशा में आगे बढ़े और उन्नति पाए क्योंकि गुरु के आशीर्वाद के बिना जीवन में कुछ भी पाना संभव नहीं है तभी तो गुरु पूर्णिमा पर सभी शिष्य गुरु की पूजन अर्चन आरती बंधानकर उनकी महिमा का गुणगान करते हैं क्योंकि गुरु के आशीर्वाद के बिना भगवान को प्राप्त करना असंभव है गुरु पूर्णिमा का दिव्य आशीर्वाद आपके जीवन को सुख और समृद्धि से भर देता है गुरु के प्रति कृतज्ञता और श्रद्धा से भरे दिन की सभी को बधाई दी जाती है गुरु की शिक्षाएं आपको सफलता और पूर्णता की ओर प्रेरित और मार्गदर्शन करती है, इस शुभ दिन पर, आप आध्यात्मिक रूप से बढ़ते रहें और सीखने के मार्ग में आनंद पाते है, इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु बंधुओ ने गुरु से आशीर्वाद लेकर अपना मानव जीवन धन्य किया।

नाम सुधार सूचना

मै प्रीतम कुमार पिता श्री लोटन सिंह, आयु लगभग 44 वर्ष निवासी निरंजन वार्ड करेली तहसील करेली जिला नरसिंहपुर म.प्र. शपथपूर्वक कथन करता हूं कि मेरा ड्राईविंग लाईसेंस नंबर MP49 20200040879 बना हुआ है जिसमें मेरे नाम की स्पेलिंग PREETAM KUMAR KAURAV पिता जी का नाम L.S. KAURAV है जो कि गलत दर्ज है। मेरा दस्तावेजी नाम PRITAM KUMAR पिता का नाम LOTAN SINGH है जो कि पूर्णतः सत्य व सही है और मेरे आधार कार्ड एवं पेन कार्ड में दर्ज है। मेरे ड्राईविंग लाईसेंस में संशोधन कर मेरा नाम आधार कार्ड/पेन कार्ड की भांति PRITAM KUMAR पिता का नाम LOTAN SINGH दर्ज किए जाने हेतु यह शपथपत्र प्रस्तुत कर रहा हूं। मेरे नाम परिवर्तित करने से भविष्य में किसी प्रकार की कोई समस्या उत्पन्न होती है तो उसकी संपूर्ण जबावदारी मेरी स्वयं की होगी।

शपथकर्ता